साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 83 | जौनपुर, बुधवार, 13 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

विमान में तकनीकी खराबी के कारण राहुल गांधी की रैली रद्द

महाराष्ट्र, एजेसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विमान में तकनीकी खराबी के कारण बुलढाणा जिले के चिखली में मंगलवार को होने वाली उनकी चुनावी रैली रद्द कर दी गई। राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार राहुल बोंद्रे के समर्थन में चिखली में दोपहर 12.30 बजे जनसभा को संबोधित करने वाले थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक वीडियो जारी कर रैली रद्द होने की वजह की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''मुझे आज चिखली आना था, लेकिन मेरे विमान में तकनीकी खराबी हो जाने से मैं यहां नहीं आ सका। इसके लिए मैं माफी चाहता हूं। मुझे एक जनसभा को संबोधित करना था और सोयाबीन उत्पादक किसानों से बातचीत करनी थी। सोयाबीन और कपास किसान बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। गांधी ने कहा, ''मुझे पता है कि भाजपा सरकार सोयाबीन और कपास किसानों को उचित मूल्य नहीं देती है। जैसे ही विपक्षी गठ बंधन 'इंडिया' सत्ता में आएगा तो हम आपकी समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयास करेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि विमान में तकनीकी खराबी हो जाने के कारण गांधी का विमान उड़ान नहीं भर सका। कांग्रेस नेता आज गोंदिया जिले में एक रैली को संबोधित कर सकते हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे जबकि तीन दिन बाद मतों की गिनती की जाएगी।

विजन–2047 के तहत आंध्र प्रदेश के लिए 15 प्रतिशत विकास का लक्ष्य

आंध्र प्रदेश, एजेसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने विजन –2047 लक्ष्य के तहत राज्य के लिए 15% विकास दर हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसका लक्ष्य केंद्रित नीतियों और रणनीतिक योजना के माध्यम से धन सृजन और आर्थिक उन्नति को बढ़ावा देना है। नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि निरंतर विकास प्रभावी ढंग से धन का उत्पादन और वितरण करके आंध्र प्रदेश की वंचित आबादी के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगा। टास्क फोर्स की बैठक में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न प्रकार के अवसर प्रदान करके ही धन का सृजन संभव है, जिसके बाद गरीबों को इस धन को वितरित करके उनके जीवन स्तर को बढ़ाया जा सकता है। सत्र के दौरान, नायडू ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के पिछले कार्यकाल के दौरान राज्य की 13.5% की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, अपने नेतृत्व में पिछली उपलब्धियों पर विचार किया। राज्य की क्षमता में विश्वास रखते हुए, उनका मानना है।

मेरे लिए देश सबसे पहले - सीएम

महाराष्ट्र, एजेसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि वह एक योगी हैं और राष्ट्र उनकी प्राथमिकता है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र के अचलपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन दिनों से, मैं खड़गे जी की टिप्पणियाँ सुन रहा हूँ। मैं एक योगी हूं और मेरे लिए देश सबसे पहले है। आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति पहले आती है। योगी ने कहा कि अगर हम बंटे तो गणपति पूजा पर हमला होगा, लैंड जिहाद के तहत जमीनें हड़प ली जाएंगी, बेटियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि आज यूपी में कोई लव जिहाद या लैंड जिहाद नहीं है। पहले ही घोषणा कर दी गई थी कि अगर किसी ने हमारी बेटियों की सुरक्षा में बाधा डाली, सरकारी और गरीबों की जमीन हड़पी तो यमराज उनका टिकट काटने के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में माफिया थे और पिछली सरकार उनकी सुरक्षा करती थी। लेकिन अब ये सभी जहन्नुम की राह पर हैं। आदित्यनाथ पर बिना किसी रोक– टोक के हमला करते हुए, खड़गे ने कहा कि एक सच्चा योगी कभी भी बटेंगे तो कटेंगे जैसी टिप्पणियां नहीं करेंगा और इस भाषा का इस्तेमाल आतंकवादी करते हैं। हाल की राजनीतिक रैलियों के दौरान खड़गे की शुरुआती टिप्पणियों ने भी राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने बिना नाम लिए योगी आदित्यनाथ को टैग करते हुए कहा था, "कई नेता साधुओं के भेष में रहते हैं और अब राजनेता बन गए हैं। कुछ तो मुख्यमंत्री भी बन गये हैं। वे गेरुआ कपड़े पहनते हैं और उनके सिर पर बाल नहीं हैं... मैं भाजपा से कहूंगा, या तो सफेद कपड़े पहनें या, यदि आप संन्यासी हैं, तो गेरुआ कपड़े पहनें, लेकिन फिर राजनीति से बाहर हो जाएं।

छात्रों के प्रति सरकार का रवैया सहानुभूति का होना चाहिए - मायावती

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में यूपीपीएससी के अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन को लेकर सियासत में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती भी कूद पड़ी हैं। मायावती ने यूपीपीएससी अभ्यर्थियों की मांग का समर्थन करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षाएं दो दिन में करानी पड़ रही हैं। गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई आदि की जबरदस्त मार झेल रहे छात्रों के प्रति सरकार का रवैया क्रूर नहीं, बल्कि सहयोग एवं सहानुभूति का होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने सोशल मीडिया पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए है। मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्श्उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ–एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा–2024 एक समय में कराने में विफलता को लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति की खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक। उन्होंने आगे लिखा, श्श्क्या यूपी के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है।

झारखंड में पहले चरण का मतदान आज 43 सीटों पर डाले जाएंगे वोट

झारखंड, एजेंसी। बुधवार, 13 नवंबर को दो चरण के झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान के लिए मंच तैयार है, जब 15 जिलों के 43 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता मतदान के लिए जाएंगे। मैदान में 683 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर होगी क्योंकि मतदाता इनमें से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में अपने नए विधायक चुनेंगे। 43 निर्वाचन क्षेत्रों में 17 सामान्य सीटें, 20 अनुसूचित जनजाति के लिए और छह अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

जिन प्रमुख नामों की किस्मत अधर में लटकी हुई है उनमें पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास की बहू पूर्णिमा दास शामिल हैं। पहले चरण के चुनाव के लिए प्रचार सोमवार को थम गया। बुधवार को जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हो रहा है, उनमें पूर्वी सिंहभूम जिले में सबसे अधिक 6 सीटें हैं, इसके बाद पलामू, पश्चिमी सिंहभूम और रांची जिलों में 5–5 सीटें हैं, जबकि कोडरमा और रामगढ़ जिलों में 1–1 सीट है।

पहले चरण में सरायकेला, रांची, जमशेदपुर पश्चिम, जगन्नाथपुर और जमशेदपुर पूर्व शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सरायकेला सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह झारखंड चुनाव से पहले अगस्त में भाजपा में शामिल हुए थे। जमशेदपुर पश्चिम में स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस उम्मीदवार बन्ना गुप्ता का मुकाबला जदयू नेता सरयू राय से है।

आपका एक एक वोट झारखंड का भविष्य तय करने वाला - अमित शाह

झारखंड, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के झरिया विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हमारे देश के महान नेता मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि है। मालवीय जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान दिया और साथ ही बनारस हिंदू विश्व विद्यालय की स्थापना भी की। मैं आज मालवीय जी को प्रणाम करके आप सबकी ओर से श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने लोगों से कहा कि आने वाली 20 तारीख को आप सभी को वोट देना है। आपका एक एक वोट झारखंड का भविष्य तय करने वाला है। शाह ने साफ तौर पर कहा कि आपका एक वोट तय करेगा कि खुद को करोड़पति –अरबपति बनाने वाला जेएमएम चाहिए, या गरीब माताओं को लखपति दीदी बनाने वाली नरेन्द्र मोदी की सरकार आपको चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां कांग्रेस और जेएमएम के नेताओं से करोडों रुपये पकड़े गए हैं, ये सारे पैसे झरिया और धनबाद के युवाओं और माताओं–बहनों के हैं। आप भाजपा की सरकार बना दीजिए, हम इन करोडों रुपये लूटने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड के गरीब आदिवासियों का, पिछड़ा वर्ग का और युवाओं का जो रुपया उन्होंने लुटा है, उसकी पाई–पाई उनसे वसूल करके झारखंड की तिजोरी में जमा की जाएगी।

प्रयागराज में आंदोलन कर रहे छात्रों की चिंताएं गंभीर और महत्वपूर्ण – केशव

लखनऊ, संवाददाता। प्रयागराज में अभ्यर्थियों के उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन के बीच उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बयान सामने आया है। केशव मौर्य ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा लिखा अधिकारी छात्रों की मांगों को संवेदनशीलता से सुनें और शीघ्र समाधान निकालें। केशव मौर्य ने एक्स पर, लिखा पीसीएस परीक्षा में एक से अधिक दिन की परीक्षा, निजी संस्थानों को केंद्र न बनाने और मानकीकरण प्रक्रिया को लेकर छात्रों की चिंताएं गंभीर और महत्वपूर्ण हैं। छात्रों की मांग है कि परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हों, ताकि उनकी मेहनत का सम्मान हो और भविष्य सुरक्षित रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, भाजपा सरकार ने 2017 से भर्ती माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाकर निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मिसाल पेश की है।

सभी सक्षम अधिकारी छात्रों की मांगों को संवेदनशीलता से सुनें और शीघ्र समाधान निकालें। यह सुनिश्चित करें कि छात्रों का कीमती समय आंदोलन में नहीं, बल्कि उनकी तैयारी में लगे। न्यायालय में लंबित मामलों का भी शीघ्र समाधान निकाला जाए ताकि किसी छात्र का भविष्य अंधकार में न रहे। प्रयागराज में छात्रों का दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी है। पीसीएस व आरओ एआरओ की एक दिन एक पाली में परीक्षा और नार्मलाइजेशन रद करने की मांग को लेकर सैकड़ों की संख्या में छात्र उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर एकत्र हुए हैं।

भारत को दुनिया का ड्रोन हब बनाने का लक्ष्य – राजनाथ सिंह

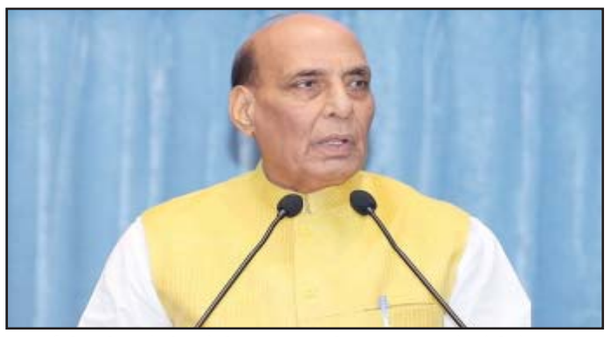

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का लक्ष्य दुनिया का ड्रोन हब बनना है और यह न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मदद करेगा बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। वह मनोहर परिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस में अनुकूली रक्षा– आधुनिक युद्ध के बदलते परि दृश्य को नेविगेट करना विषय पर आयोजित दिल्ली रक्षा संवाद में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारत को दुनिया का ड्रोन हब बनाने के लिए कई पहल की हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम पहले से ही इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास, संपूर्ण विश्वसनीय प्रमाणन तंत्र और भारतीय बौद्धिक संपदा निर्माण में सुधार के लिए काम कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हमने iDEX और ADITI की योजनाओं के माध्यम से नवाचार के लिए पुरस्कार भी पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन और झुंड प्रौद्योगिकियाँ युद्ध के तरीकों और साधनों में मूलभूत परिवर्तन ला रही हैं। इस विकास ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद युद्ध की समझ को पूरी तरह से बदल दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भूमि, वायु और जल – तीनों आयामों में युद्ध की पारंपरिक अवधारणाएँ और संकल्पनाएँ तेजी से बदल रही हैं। ड्रोन और झुंड प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के कारण इन आयामों को ओवरलैपिंग के रूप में देखा जा रहा है। रक्षा निर्यात में वृद्धि पर रक्षा मंत्री ने कहा कि हम भारत से रक्षा वस्तुओं के बढ़ते निर्यात में अपने प्रयासों का फल भी देख रहे हैं। वर्तमान में, भारत पहले से ही 100 से अधिक देशों को रक्षा वस्तुओं का निर्यात कर रहा है।

महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत - पीएम मोदी

महाराष्ट्र, एजेसी। महाराष्ट्र के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत है जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य का विकास है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपको याद रखना चाहिए कि जिस वाहन पर एमवीए के लोग यात्रा कर रहे हैं वह सबसे अस्थिर है। वे आपस में लड़कर अपना समय बर्बाद करते हैं। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र की आस्था और संस्कृति में विश्वास करने वाली महायुति की सरकार काम करती है, तो कैसे कैसे परिणाम आते हैं, सोलापुर के लोगों ने ये देखा है। सोलापुर के लोग जिस विकास की मांग दशकों से कर रहे थे, जो प्रोजेक्ट्स दशकों से लटके थे, महायुति सरकार ने उन्हें पूरा करके दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश–विदेश से आने वाले लोगों को यहां हुए विकास कार्यों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। हमारे सोलापुर में पालकी यात्रा की

बहुत प्राचीन परंपरा है, पहले यात्रियों को बहुत परेशानी होती थी। पालकी महामार्ग का निर्माण करवाकर इस परेशानी को हल करने का सौभाग्य भी हमें ही मिला है। उन्होंने कहा कि ये बदलाव केंद्र की भाजपा और महाराष्ट्र की महायुति सरकार के कामों से संभव हुआ है। विकसित महाराष्ट्र से विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को अगले 5 साल तक महायुति की ऐसी सरकार की जरूरत है, जो स्थिर हो, जिसका एकमात्र लक्ष्य महाराष्ट्र का विकास हो। स्थिर सरकार ही महाराष्ट्र के लिए दूरगामी नीतियां बना पाएगी। मोदी ने कहा कि आप सब देख रहे हैं कि अघाड़ी में कैसे भगदड़ मची हुई है। अभी से अघाड़ी में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान, नूराकुश्ती चल रही है। एक पार्टी पूरे दिन अपने नेता को मुख्यमंत्री बताने में लगी रहती है। दूसरी पार्टी और कांग्रेस वाले उनकी दावेदारी खारिज करने में लगे रहते हैं। तंज भरे लहजे में कहा कि चुनाव से पहले जिनका ये हाल है, वो अघाड़ी वाले महाराष्ट्र को कभी भी स्थिर सरकार नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक देश पर राज किया है। लेकिन उनकी सोच थी – समस्याओं को बनाए रखना, लोगों को समस्याओं में उलझाए रखना। कांग्रेस की इसी सोच ने महाराष्ट्र के किसानों को बदहाल बनाए रखा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार देश में गन्ना किसानों के लिए काम कर रही है।

नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं - अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में छात्रों के चल रहे बवाल पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में का हिस्सा नहीं है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रयागराज में छात्रों के लोकसेवा आयोग में चल रहे बवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि माहौल श्योगी बनाम प्रतियोगी' छात्र हो चुका है। आज उप्र के प्रतियोगी परीक्षाओं के हर अभ्यर्थी, हर छात्र, हर युवक–युवती की जुबान पर यही है कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। अखिलेश ने कहा कि उन्होंने चलवाया लाठी–डंडा, नौकरी नहीं जिनका एजेंडा। नहीं चाहिए अनुपयोगी सरकार। भाजपा सरकार नहीं धिक्कार है। अयोग्य लोगों का अयोग्य आयोग' नहीं चाहिए। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के लोग, जनता को रोजी–रोटी के संघर्ष में उलझाए

रखने की राजनीति करते हैं, जिससे भाजपाई साम्प्रदायिक राजनीति की आड़ में भ्रष्टाचार करते रहें। सालों–साल वैकेंसी या तो निकलती नहीं है या फिर परीक्षा की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है। भाजपा ने छात्रों को पढ़ाई की मेज से उठाकर सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि यही आक्रोशित अभ्यर्थी और उनके हताश–निराश परिवार वाले अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन रहे हैं। नौकरीपेशा, पढ़ा–लिखा मध्यवर्ग अब भावना में बहकर भाजपा के बहलावे–फुसलावे में आनेवाला नहीं। अब तो व्हाट्सएप ग्रुप के झूठे भाजपाई प्रचार के शिकार अभिभावकों को भी समझ आ गया है कि अपनी सत्ता पाने और बचाने के लिए भाजपा ने कैसे उनका भावनात्मक शोषण किया है। अब ये लोग भी भाजपा की नकारात्मक राजनीति के झांसे में आने वाले नहीं और बांटने वाली साम्प्रदायिक राजनीति को नकारकर 'जोड़ने वाली सकारात्मक राजनीति' को गले लगा रहे हैं। अब कोई भाजपाइयों का मानसिक गुलाम बनने को तैयार नहीं हैं। अखिलेश ने कहा कि अब सब समझ गये हैं, भाजपा सरकार के रहते कुछ भी नहीं होनेवाला। भाजपा के पतन में ही छात्रों का उत्थान है। भाजपा और नौकरी में विरोधाभासी संबंध है। जब भाजपा जाएगी, तभी नौकरी आएगी।

भाजपा को छोड़कर कोई भी झारखंड के हितैषी नहीं – जेपी नड्डा

झारखंड, एजेसी। झारखंड की बगोदर विधानसभा में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि एनडीए और भाजपा को छोड़कर कोई भी झारखंड के हितैषी नहीं है। जिस समय झारखंड बनाने के लिए आंदोलन चल रहा था, तो कांग्रेस के लोग टालमटोल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने कहा था कि मेरी लाश पर झारखंड बनेगा। लालू जी, आप जिंदा भी हैं और झारखंड भी विराजमान है। झारखंड बनाने का श्रेय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को जाता है। आज हम ये कह सकते हैं कि बनाया भी हमने है, संवारा भी हमने है और आगे भी हम ही संवारेंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड को मुख्यधारा में लाने का काम नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने किया है। भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्मदिवस को आदिवासी गौरव दिवस बनाने का काम किया और साथ ही हमने झारखंड के भाइयों और यहां के

नेताओं को मुख्यधारा में लाकर याद किया है। उन्होंने कहा कि हमारे झारखंड के वीर वीरांगनाओं ने इतिहास में भी अंग्रेजों के राज या अन्य के अत्याचारी राज को उखाड़ फेंका था। अब समय आ गया है कि यही वीर वीरांगनाएं इस बार झारखंड से जेएमएम– कांग्रेस और आरजेडी को उखाड़ फेंकेंगे और भाजपा–एनडीए की सरकार बनाएंगे। विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि जहां जेएमएम, आरजेडी और कांग्रेस है, वहां भ्रष्टाचार है। जहां जेएमएम, आरजेडी और कांग्रेस है, वहां भाई–भतीजावाद है। जहां जेएमएम, आरजेडी और कांग्रेस है।

संपादकीय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग

प्लेटो, सुकरात और अरस्तू से लेकर पश्चिम में पुनर्जागरण और ज्ञानोदय तक, आधुनिकता, उत्तर–आधुनिकता के मद्देनजर मानव क्षमता की अवधारणा पर व्यापक रूप से विचार किया गया है। अब उत्तरी और ट्रांसह्यूमनिस्ट विचारधारा में भी इस क्षमता को समझने की प्रक्रिया जारी है। पश्चिमी दार्शनिक रेने डेसकार्टेस का कहना है कि मैं हूं, क्योंकि मैं सोचता हूं या मैं सोचता हूं, इसलिए मैं हूं। मनुष्य की क्षमता में वृद्धि का कारण यह है कि मनुष्य लगातार सोचता रहता है। विचारों को सिद्धांतबद्ध करेंकरता है सिद्धांतों से लेकर अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वह लगातार शोध में लगे रहते हैं। मानव क्षमता को अपने तरीके से समझाते हुए युवल नोआ हरारी अपनी किताब श्सेपियंसश में लिखते हैं कि इंसान का विकास होमो सेपियंस से हुआ है। अर्थ और कथा, कहानियों को रचने की इसकी भाषाई और संचार क्षमता ने इसे अन्य प्राणियों और जानवरों की दुनिया पर अपना अधिकार और प्रभुत्व स्थापित करने की क्षमता और शक्ति दी। होमो सेपियन्स में हर घटना को काल्पनिक बनाने की क्षमता थी। भाषा संचार उसे घटना, विश्वासों और मिथकों को बनाने की क्षमता दी गई। भाषा के माध्यम से वह उन घटनाओं और मान्यताओं के बारे में भी बताता है जो वास्तव में घटित नहीं होती हैं। यह अपनी कल्पनाशील अंतर्दृष्टि के कारण ही है कि यह आज तक कायम है और कायम है। सेपियंस के पास भाषाई क्षमताएं थीं जो उन्हें एक–दूसरे के साथ संवाद करने की अनुमति देती थीं। संज्ञाक क्रांति के माध्यम से उन्होंने आपस में सहयोग पैदा करने के लिए कहानियों, मिथकों, देवताओं और धर्म का आविष्कार किया और दुनिया के अन्य प्राणियों पर अपना प्रभुत्व और नियंत्रण बनाया। पश्चिम में ज्ञानोदय कालतब से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों के स्तर पर कई क्रांतियाँ हुई हैं। पहली औद्योगिक क्रांति भाप इंजन के आविष्कार के साथ आई। दूसरी औद्योगिक क्रांति विद्युत ऊर्जा की खोज के साथ आई। तीसरी औद्योगिक क्रांति कंप्यूटर के आगमन के साथ हुई। वैश्विक स्तर पर आभासी और भौतिक उत्पादन प्रणालियों के आपसी सहयोग को लचीला बनाकर चौथी औद्योगिक क्रांति आई है, जिसमें स्मार्ट मशीनों को जोड़कर अधिक सटीक और सक्षम बनाया जा रहा है। पांचवीं औद्योगिक क्रांति ने मानवकेंद्रितवाद और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ–साथ औद्योगीकरण को भी जारी रखासंरचनाओं के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा, एल्गोरिदम, रोबोटिक्स और एनालिटिक्स के उपयोग के माध्यम से औद्योगिक उत्पादन बढ़ाना। अब छठी औद्योगिक क्रांति की भी बात हो रही है जिसमें पहले से निर्मित औद्योगिक संरचनाओं के आधार पर क्वांटम कंप्यूटिंग और नैनो टेक्नोलॉजी जैसी उन्नत तकनीकों का विकास किया जाएगा। पश्चिम में, विशेष रूप से यूरोप में, आधुनिकता की परियोजना में ज्ञानोदय कालमशीन ने मानव जीवन में पूरी तरह से हस्तक्षेप कर दिया है। इस युग में मशीन ने स्वयं और संचार के प्रतिमानों में बड़े बदलाव लाये। इनमें मनुष्य केन्द्र में रहा। आधुनिकता के प्रति इस सोच की प्रतिक्रिया हाँ–केंद्रित थी। इसके विपरीत, यहीं से व्हिगेज उत्तरआधुनिकतावाद ने सभी मानवकेंद्रित महाकाव्यों को खारिज कर दिया। इसमें कहा गया है कि इससे मानव स्व यानी मानवीय स्थिति में कुछ भी बदलाव नहीं आता है। इसके विपरीत, मरणोपरांतवाद मानव स्व की स्थितियों को समझने में बदलाव लाता है। अब तक स्वयं की समझ मानवकेंद्रित रही है। ईमानवकेंद्रित दृष्टिकोण सदियों से मानव सोच और समझ पर हावी रहा है। यह गैर–मानवीय जीवन रूपों और प्राकृतिक इकाइयों को मानवीय हितों के नजरिए से देखता है। मरणोपरांतवाद एक दार्शनिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य है जो मानवतावादी विस्तारवाद को अस्वीकार करता है और मानव स्वयं की क्षमता को समझने के लिए मानव, मशीन, प्राकृतिक घटनाओं और संस्थाओं के बीच की सीमाओं को धुंधला करता है। मानवकेंद्रितवाद दुनिया को मुख्य रूप से मानवीय इच्छाओं और मूल्यों के संदर्भ में देखता है, यानी मनुष्य को ब्रह्मांड के केंद्र में रखता है। इस दृष्टिकोण से, पर्यावरण विनाश, प्रजातियों के विलुप्त होने और सामाजिक असमानताओं में वृद्धि हो रही है। इसलिए, मानव विस्तारवाद को उत्तर– मानवतावादी दृष्टिकोण से चुनौती दी जा रही है जो मानवकेंद्रितवाद को अस्वीकार करता है। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भविष्यवादी दृष्टि में एक अधिक समावेशी–परस्पर जुड़ा हुआ विश्वदृष्टिकोण उभर रहा है। इसके अंतर्गत ट्रांस–ह्यूमनिज्म और पोस्ट–ह्यूमनिज्म वर्ग दृष्टिकोण जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एल्गोरिदम, डेटा–बिग डेटा आदि शामिल हैं। माइंड–मशीन, आनुवंशिकी और साइबराइजेशन आदि के माध्यम से आत्म–पहचान और मानव संचार की संभावनाओं पर विचार और चित्रण किया जा रहा है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स और इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग और बिग डेटा और मेटा डेटा को समझने के लिए बड़े एल्गोरिदम की शक्ति एक प्रकार का नया पूंजीवाद है जो हमेशा अपनी गति और अस्तित्व के खिलाफ संघर्ष में रहेगा, और चिंता को अवशोषित करने के बजाय, अप्रासंगिक हो जाएगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में एक विचार यह भी है कि यह मानव भाषा और ज्ञान क्षमता को और अधिक बढ़ा/बढ़ाएगा और विस्तारित करेगा लेकिन इसकीप्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता।

झारखंड में भी चुनाव को प्रभावित करने कोशिश

हरेंद्र

आदिवासी समाज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है। वर्ष 1875 में 15 नवंबर को झारखंड में 'धरती आबा' यानी भगवान बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। जनजाति अस्मिता, स्वायत्तता और संस्कृति तथा वैष्णव धर्म की रक्षा के लिए बलिदान होने वाले भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष की सत्यता से जनजाति समाज को अवगत कराने का यह सही अवसर है। भारत में बर्बर इस्लामिक आक्रांताओं के बारे में जो कुछ लिखा और कहा जाता है, वह विदेश से आयातित इस्लाम, ईसाइयत और वामपंथ का आधा ही सत्य है। यह समझने की आवश्यकता है कि ईसाई मिशनरियां भी हिंदुओं और आदिवासियों के खिलाफ षड्यंत्र करती रही हैं और आज भी कर रही हैं। कुछ समय पहले मिजोरम के मुख्यमंत्री के अमेरिका में दिए गए बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि ईसाई मिशनरियां भी देश का विभाजन करना चाहती हैं। ईस्ट इंडिया कंपनी ने पहले व्यापार और फिर छल–कपट से भारत में राज्य विस्तार के नाम पर यहीं के जमींदारों को आगे रखकर लूट शुरू की। इस लूट का विरोध करने वालों को चौक–चौराहे पर कोड़े मारने, फांसी पर लटकाने और मंदिरों को तोड़ने जैसे कृत्य किए गए। बाबा तिलका मांझी को मीलों घसीटते हुए खून में डूबे उनके शरीर को पेड़ पर लटका कर खुलेआम फांसी देना इसका उदाहरण है। 23 जून, 1757 को प्लासी युद्ध के बाद अंग्रेजों का तत्कालीन बंगाल पर नियंत्रण हो गया, जिसमें आज के बिहार, ओडिशा तथा झारखंड शामिल थे। फिर 1765 में अंग्रेजों ने उसका दीवानी अधिकार प्राप्त कर लिया। ईस्ट इंडिया कंपनी ने तीर्थयात्रियों पर प्रतिबंध लगा दिया। उसके खिलाफ शुरू हुए संघर्ष को 'संन्यासी विद्रोह' कहा जाता है। इसी संघर्ष को ध्यान में रखकर बंकिम चंद्र जी ने 'आनंदमठ' नामक उपन्यास लिखा था। इस संघर्ष का केंद्र बिहार का पूर्णिया था। वह आंदोलन लगभग चार दशक तक चला। बाद में 1771 से 1784 तक ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध संघर्ष छेड़ने वाले 'जबरा पहाड़िया' उर्फ बाबा तिलका मांझी को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पहले सेनानी के नाम से जाना जाता है। आज की पीढ़ी को उनके बारे में बहुत कम जानकारी है। 1857 के पहले 1853 में सिद्धू मुर्मु और कान्हू मुर्मु ने जंगल तराई में ब्रिटिश शासन के दमन और शोषण के खिलाफ 'करो या मरो– अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो' महासंग्राम छेड़ा था, जिसे आज संताल परगना कहा जाता है। यह महासंग्राम ईसाई मिशनरियों के खिलाफ भी था, जो आदिवासी समाज की संस्कृति को बदलने का काम कर रही थीं। अगस्त 1855 में अंग्रेजों ने सिद्धू मुर्मु को बरगद के पेड़ पर लटकाकर फांसी दे दी। अंग्रेज भारतीय समाज को डराने के लिए बर्बर तरीके से फांसी देते थे, ताकि कोई उनके शासन के खिलाफ अपनी आवाज न उठा सके। बाबा तिलका मांझी, भगवान बिरसा मुंडा तथा सिद्धू–कान्हू मुर्मु के बारे में तो कुछ साहित्य उपलब्ध भी है, पर 1790 के तमाड़ विद्रोह, 1800 से 1818 तक चले चेरो आंदोलन तथा 1820–21 के हो विद्रोह, कोल विद्रोह, ताना भगत आंदोलन आदि के बारे में साहित्य न के बराबर उपलब्ध है। वर्ष 1757 से 1857 के बीच ईस्ट इंडिया कंपनी के दमन और शोषण के खिलाफ देश में चले अनेक संघर्षों से डर कर ईसाई मिशनरियों ने जनजाति बहुल इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर आदिवासियों के ईसाइकरण का षड्यंत्र शुरू किया और शिक्षा की आड़ में उन पर मानसिक गुलामी थोपना शुरू कर दिया। देश राजनीतिक रूप से भले आजाद हो गया हो, पर मानसिक रूप से आज भी गुलाम है। इसीलिए जनजाति संघर्ष के बारे में बहुत कम लिखा गया। चिंता की बात यह है कि ईसाई मिशनरियां आज भी वैसे ही सक्रिय हैं, जैसे अंग्रेजी सत्ता के समय थीं। जिस जनजाति समाज ने अंग्रेजी राज के शोषण और दमन के खिलाफ संघर्ष किया, आज वही ईसाई मिशनरियों के चंगुल में है। जनजाति समाज को जंगल और जमीन के अधिकार से बेदखल करने वाले अंग्रेज थे, पर इसका कोई जिक्र नहीं करता। वर्तमान में झारखंड दोहरे संकट से दो–चार है। एक ओर बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठिए बढ़ रहे हैं और इसके चलते आदिवासी इलाकों में मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, दूसरी ओर आदिवासियों का ईसाईकरण हो रहा है। झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा की संतानों यानी मुंडा की आबादी 12,29,221 है, जिसमें से 4,03,466 यानी 32.82 प्रतिशत ईसाई हो गए हैं।

तिलका मांझी की संतानों यानी संताल की आबादी 27,54,723 है, जिसमें से 2,36,304 यानी 8.57 प्रतिशत ईसाई हो गई है। मुंडा और संताल की ही तरह 26.16 प्रतिशत उरांव भी ईसाई हो गए हैं। अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने वाले हो और चेरो भी ईसाई बन रहे हैं। सिमडेगा जिले में 80.71 प्रतिशत, गुमला में 43.79 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 41.29 प्रतिशत तथा खूंटी में 37.91 प्रतिशत मुंडा आबादी ईसाई बन गई है। मुंडा समाज की ही तरह सिमडेगा में 95.31 प्रतिशत तथा गुमला में 29.46 प्रतिशत उरांव आबादी भी ईसाई हो गई है। इसी प्रकार झारखंड का सिमडेगा ईसाई बहुल हो गया है। यह साफ दिख रहा है कि पूर्वोत्तर राज्यों की ही तरह ईसाई मिशनरियां झारखंड में भी चुनावों को प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच गई हैं। आज समय की मांग है कि ईसाई मिशनरियों के खिलाफ जनजाति समाज के संघर्ष के इतिहास को नए सिरे से संकलित किया जाए और उसका प्रचार–प्रसार हो। इसके साथ–साथ जनजातियों की मातृभाषा, कला, गीत, नृत्य, संगीत, हस्तकला का संरक्षण और संवर्धन किया जाए। इसी के साथ ईसाई मिशनरियों के छल–छद्म से मतांतरण अभियान पर रोक लगानी होगी। इससे ही झारखंड ईसाई मिशनरियों के षड्यंत्र से झारखंड बच सकेगा।

कमला हैरिस की हार से सबक ले कांग्रेस

ए. सूर्यप्रकाश

अमेरिकी चुनाव में भी कमोबेश भारत जैसी कहानी ही दोहराई गई। जिस तरह भारत में कांग्रेस पार्टी पर अतिवादी वामपंथियों ने कब्जा जमा लिया है, कुछ वैसे ही अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी में कर लिया है। कमला हैरिस को अतिवादी वामपंथी बुद्धिजीवियों की ओर झुकाव का खामियाजा राष्ट्रपति चुनाव में करारी हार के रूप में भुगतना पड़ा। पारंपरिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की पहचान कामकाजी तबके की पार्टी के रूप में रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से उसका नेतृत्व अभिजात्य ग्रंथि का शिकार होकर आम अमेरिकियों की भावनाओं और आकांक्षाओं से कट गया। आम अमेरिकी दक्षिण अमेरिका और अरब देशों से आ रहे अवैध प्रवासियों के चलते मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, क्योंकि इन बाहरी लोगों की वजह से न केवल अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि अमेरिकियों के लिए रोजगार के अवसर भी सिकुड़ रहे हैं। फिर भी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए यह कोई चिंता का मुद्दा नहीं रहा। उलटे वह अमेरिका के अभिजात्य संस्थानों में हमास के पक्ष में कार्यक्रम आयोजित कराती रही। डेमोक्रेट्स के बयानों से यही अनुभूति हुई कि उन्हें आम अमेरिकियों और उनकी आर्थिक दुश्वारियों से अधिक अवैध अप्रवासियों के हितों एवं मानवाधिकारों की फिक्र है तथा श्वेत एवं ईसाई समुदाय जैसे बहुसंख्यक वर्गों की भावनाएं उनके लिए मायने नहीं रखतीं। ऐसा लगा कि महंगाई और आर्थिक समस्याओं को लेकर भी हैरिस अनभिज्ञ सी थीं। दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप का रवैया स्पष्ट था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे उन्हें वोट दें ताकि वह आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के साथ ही मेक्सिको एवं अन्य देशों से आने वाले अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए दक्षिणी सीमा पर मजबूत दीवार बना सकें। साथ ही चीनी आयातों पर अंकुश के लिए टैरिफ बढ़ाने, अमेरिका में विनिर्माण को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भी ध्यान दे सकें। भारत में भी कांग्रेस पार्टी उन लोगों के साथ खड़ी होती है, जो 'भारत तेरे टुकड़े..' का नारा लगाते हैं, रोहिंग्या घुसपैठियों की ढाल बनती है और पाकिस्तानी आतंकियों के लिए आंसू बहाने वाले फारूक अब्दुल्ला के साथ गठबंधन करती है। डेमोक्रेटिक पार्टी का रुख–रवैया भारत की कांग्रेस पार्टी जैसा ही दिखता है। अमेरिकी मीडिया का एक बड़ा हिस्सा भी वामपंथी जकड़न में है, जिसने रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खूब जहर उगला। अमेरिकी मीडिया पूरी दुनिया को बरगलाता रहा कि हैरिस जीत रही हैं, लेकिन अमेरिकी जनता ने मीडिया का यह पक्षपाती खेल समझते हुए उसे सबक सिखाया। चुनावी अभियान में हैरिस ने ट्रंप को हिटलर, तानाशाह, नस्लवादी, महिला विरोधी, अविश्वसनीय और अशिष्ट एवं गंवार तक कहा। तमाम एंकरों और स्टूडियो में आए मेहमान भी इन गालियों को दोहराते रहे। अमेरिका की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि विश्व का सबसे समृद्ध पूंजीवादी देश होते हुए भी वहां के विश्वविद्यालयों द्वारा वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों को भारी प्रोत्साहन दिया जाता है। कम्युनिस्टों और ऐसे ही अन्य लोगों को 'शोध' परियोजनाओं के लिए भारी–भरकम वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं, जो अक्सर यहूदियों और इजरायल एवं हिंदुओं और भारत के विरुद्ध होते हैं। वे यह दर्शाते हैं कि कट्टर इस्लाम जैसा कुछ नहीं और इस्लामिक देशों में सब दुरुस्त है। वे हमास जैसे आतंकी संगठनों के पक्ष में महीनों लंबे प्रदर्शन अभियान चलाते हैं तो अमेरिका में घुसने की फिराक में लगे अवैध अप्रवासियों की पैरवी करते हैं। यह सब लोकतंत्र एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किया जाता है। छात्रों और शहरी कुलीन तबकों पर उनका व्यापक

प्रभाव है। यही कारण है कि कालेज छात्रों और शहरी मतदाताओं ने हैरिस के पक्ष में मतदान किया, जबकि बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाताओं और विश्वविद्यालयी शिक्षा से वंचित लोगों ने ट्रंप का समर्थन किया। भारत में भी जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय और सेंट स्टीफेंस कालेज के वामपंथी सोच वाले छात्रों को लगता है कि केवल वही जानते हैं कि देश को कैसे चलाया जा सकता है और उनकी बात ही सर्वोपरि है। वह मीडिया का एजेंडा तय करना भी अपना विशेषाधिकार समझते हैं। उनमें से अधिकांश भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नफरत करते हैं। अपनी विचारधारा के प्रति उनकी ऐसी मुग्धता है कि उससे इतर लोगों के लिए वह कोई जगह नहीं देखते। अपनी इसी मानसिकता के चलते उन्होंने कई बार मोदी के राजनीतिक समापन की घोषणा की, लेकिन व्यापक जनसमर्थन के दम पर मोदी इस वर्ग को धता बताते आ रहे हैं, क्योंकि देश की जनता इन वामपंथियों के झांसे में नहीं आती। इसके बावजूद वामपंथियों का यह छोटा सा समूह कोई सबक नहीं सीखता और टीवी चौनलों से लेकर हर मंच पर अपने 'ज्ञान' का बखान करने से बाज नहीं आता। दुनिया भर में इनके यही तेवर हैं। अमेरिका में भी सीएनएन जैसे चौनल बार–बार वही क्लिप दिखाते रहे, जिनसे ट्रंप की छवि खराब होने के आसार थे।

यह उनके विरुद्ध एकदम दुष्प्रचार जैसा था। सबसे हतप्रभ करने वाला प्रयास तो वह ओपिनियन पोल था, जो चुनाव की पूर्वसंध्या पर दिखाया गया। इस पोल के अनुसार ट्रंप आयोवा राज्य में हार रहे थे, जबकि पिछले दो चुनावों में वह यहां से भारी अंतर से जीतते आए थे। चूंकि यह राज्य लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ रहा है तो उक्त पोल के जरिये मतदाताओं को यही संदेश देने की शरारत की गई कि ट्रंप बहुत गहरे संकट में हैं। यदि वह आयोवा में हार जाएंगे तो भला किस आधार पर राष्ट्रपति चुनाव जीतेंगे? वास्तविकता यह रही कि ट्रंप ने इस राज्य में बहुत सहजता के साथ जीत दर्ज की। अमेरिकी जनता ने हैरिस को व्यापक रूप से खारिज कर हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे अभिजात्य संस्थानों और मीडिया के शरारतपूर्ण रवैये को सबक सिखाने का काम किया।

भारत में कांग्रेस पार्टी के लिए भी इसमें यह सबक छिपा हुआ है कि जब तक वह अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और बहुसंख्यकों की भावनाओं की अनदेखी करते हुए वामपंथियों को अपना एजेंडा तैयार करने देती रहेगी, तब तक उसकी वैसी ही दुर्गति होती रहेगी, जैसी अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की हुई।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अल्पसंख्यक दर्जे के मामले

विवेक

अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय की अपनी मूलभूत पहचान की खोज काफी लंबी रही है, मुख्यतः इसलिए क्योंकि इस मामले ने वर्षों से अदालतों और सरकारों को समान रूप से उलझाए रखा है। संस्था ने अपनी यात्रा मोहम्मडन एंग्लो–ओरिएंटल कॉलेज के रूप में शुरू की थी जिसकी स्थापना सर सैयद अहमद खान ने 1877 में मुस्लिम छात्रों के लिए की थी। फिर, 43 साल बाद, 1920 में, शाही विधानमंडल के एक अधिनियम ने इसे एएमयू में बदल दिया। हालाँकि, 1967 में, पाँच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि एएमयू अल्पसंख्यक दर्जे का दावा नहीं कर सकता क्योंकि इसकी स्थापना एक केंद्रीय अधिनियम के आधार पर हुई थी। 1981 में, दो न्यायाधीशों की पीठ ने 1967 के आदेश की वैधता पर सवाल उठाया और मामले को सात न्यायाधीशों की पीठ को भेज दिया, जिसका गठन नहीं हो सका। उसी वर्ष, इंदिरा गांधी सरकार ने एएमयू को उसका अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान किया, लेकिन 2006 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस कानून को रद्द कर दिया। एएमयू और अन्य ने इस फैसले को चुनौती दी। इसके बाद तीन न्यायाधीशों की पीठ ने मामले को वर्तमान सात न्यायाधीशों की पीठ को भेज दिया। उस पीठ ने 4:3 के फैसले में अब 1967 के फैसले को खारिज कर दिया है। हालांकि – और यह हैरान करने वाला है – वर्तमान पीठ ने मामले को आगे बढ़ाने और निपटाने का फैसला नहीं किया। इसके बजाय, इसने सवाल का फैसला करने के लिए एक नई पीठ को निर्देश दिया है। इसे सर्वसम्मति से फैसला न होने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। फिर भी, यह निश्चित रूप से एक ऐसे मामले को सुलझाने में मदद करता जो लंबे समय से अनसुलझा रहा है। एक निर्णायक फैसले से उक्त संस्थान को आगे बढ़ने में भी मदद मिलती, जो विवादित दावों के जाल में फंस गया है। पीठ के तीन न्यायाधीशों ने 1967 के फैसले की योग्यता को बरकरार रखते हुए अपने असहमतिपूर्ण विचार व्यक्त किए हैं। हालांकि, यह बहुमत के फैसले के महत्व को कम नहीं करता है। बहुमत के फैसले ने अल्पसंख्यक संस्थान की पहचान को सुविधाजनक बनाने के सिद्धांतों को रेखांकित किया है। उदाहरण के लिए, बहुमत के न्यायाधीशों ने तर्क दिया है कि एएमयू के अल्पसंख्यक संस्थान होने के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि इसकी स्थापना का विचार अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित व्यक्ति का थाय बहुमत के फैसले में कहा गया कि यह मुख्य रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के लिए बनाया गया था, जो एएमयू के अल्पसंख्यक संस्थान होने के दावे को और मजबूत करता है।

जलवायु परिवर्तन पर सबका ध्यान जाना जरूरी

आदित्य

समूचा विश्व जलवायु परिवर्तन की गंभीर होती समस्या का समाधान तलाशने में जुटा है। ऐसे में, सभी की नजरें अजरबैजान के बाकू पर लगी हैं। बाकू में काप–29 सम्मेलन आयोजन होने जा रहा है। कांफ्रेंस आफ पार्टीज यानी कॉप सम्मेलन विश्व भर के नेताओं, कार्यकर्ताओं और उद्यमियों से लेकर तमाम अंशभागियों का ऐसा सालाना सम्मेलन है, जहां जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर मंत्रणा की जाती है। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाकू सम्मेलन में वार्षिक जलवायु फाइनेंसिंग टारगेट और बहुपक्षीय कार्बन क्रेडिट सिस्टम में प्रगति के साथ ही जलवायु परिवर्तन जोखिम के लिहाज से नाजुक देशों के प्रति वित्तीय प्रतिबद्धता जैसे अहम समझौतों पर कुछ सहमति बनाने के प्रयास होने के आसार हैं। कहने को तो इस सम्मेलन में सर्वानुमति को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन जमीनी हकीकत यही दर्शाती है कि लक्ष्यों की प्राप्ति में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई और सफलता के लिए कार्रवाई की गति तेज करनी होगी। मौजूदा यथास्थिति के पीछे व्यापक रूप से यही मान्यता है कि विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहे। ऐतिहासिक रूप से अपने उत्सर्जन दायित्व के बावजूद कुछ विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं उपलब्ध करा रहे हैं। इसमें देरी से विकासशील देशों की ऐसी क्षमताएं प्रभावित हो रही हैं, जिनसे वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति बना सकें। उनके लिए अपनी आर्थिक वृद्धि और पर्यावरणीय निरंतरता के साथ संतुलन बिठाना मुश्किल हो रहा है। विकसित देशों को इस विसंगति की ओर ध्यान देकर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों की राह में सबसे प्रमुख अवरोध वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। वर्ष 2011 से 2022 के बीच उन देशों की संख्या 22 से बढ़कर 59 हो गई, जिनका कर्ज उनकी जीडीपी के 60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया। स्वाभाविक है कि यह वित्तीय बोझ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उनके प्रयासों एवं प्रतिबद्धता को प्रभावित करता है। इसमें तीसरी बाधा निजी पूंजी से जुड़ी सीमित पहुंच की है। चूंकि जलवायु परिवर्तन से जुड़े उपक्रमों में प्रतिफल कम होने के साथ ही कई जोखिम भी जुड़े होते हैं तो निजी निवेशक अक्सर उनमें निवेश से कतराते हैं। वर्ष 2022 में निजी क्षेत्र द्वारा इस मद में केवल 21.9 अरब डालर ही जुटाए जा सके जो आवश्यकता के अनुपात में बहुत कम है। एडाप्टेशन यानी नई तकनीकी को अपनाने में फंडिंग की कमी भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। इस मद में वर्ष 2021 में विकासशील देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग 21.3 अरब डालर रही जबकि इसके लिए सालाना 215 से 387 अरब डालर की आवश्यकता है। यह अंतर कई देशों की स्थिति को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति और नाजुक बना सकता है। पांचवीं बाधा आर्थिक कमजोरी और बुनियादी ढांचे की कमी से जुड़ी है। अधिकांश विकासशील देश अस्थिर आर्थिकी वाले देश हैं, जहां बुनियादी ढांचा भी समुन्नत नहीं। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की दृष्टि से इनकी स्थिति नाजुक बन जाती है। जबकि निवेशकों के लिए ये कम आकर्षक होते हैं। उदाहरण के लिए अफ्रीका विश्व का केवल दो से तीन प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन करता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की तमाम चुनौतियों के साथ ही ऊर्जा की किल्लत से भी जूझ रहा है। स्वाभाविक है कि ग्रीन ट्रांजिशन यानी हरित संक्रमण की उसकी राह कठिन बनी हुई है। स्पष्ट है कि कार्बन उत्सर्जन में कम योगदान के बावजूद विकासशील देश ही जलवायु परिवर्तन की सबसे अधिक तपिश झेल रहे हैं। विकसित देशों के वादों से भी वे आजिज आ चुके हैं। खासतौर से ग्रीन क्लाइमेट फंट यानी जीसीएफ जैसी संकल्पना का पूरी तरह साकार न होना विकासशील देशों को कचोटता है। ऐसे में कोई हैरानी नहीं कि विकासशील देशों को इस मामले में विकसित देशों की मंशा पर ही संदेह होने लगे। कई विकासशील देशों की दलील है कि वे अभी भी गरीबी, तमाम बीमारियों और लचर बुनियादी ढांचे जैसी समस्याएं झेल रहे हैं, जिनके समाधान के लिए उन्हें ऊर्जा एवं संसाधनों की दरकार है। वहीं, विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक–आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। बाकू में विकासशील देशों को इसके लिए अपनी आवाज बुलंद करनी होगी, क्योंकि यह न केवल न्याय के दृष्टिकोण से, अपितु उनके अस्तित्व के लिहाज से भी बेहद अहम है।

पीयू में राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुए विविध का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में कुलपति महोदया प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट सभागार रज्जू भइया संस्थान बुधवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रथम प्रतियोगिता लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राष्ट्रीय एकता के विषय पर सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक विषय पर द्वितीय प्रतियोगिता एक पात्रीय नाट्य, तृतीय प्रतियोगिता कविता लेखन विषयरू राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल से संबंधित, चतुर्थ प्रतियोगिता निबंध लेखन विषय राष्ट्रीय एकता के शिल्पकाररू सरदार वल्लभभाई पटेलष एवं पंचम प्रतियोगिता देश भक्ति गीत (एकल) विषयरू राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल से संबंधित का आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में जो भी प्रथम स्थान प्राप्त करेगा उन प्रतिभागियों को 28 नवम्बर 2024 महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में द्वितीय चक्र की प्रतियोगिता छः विश्वविद्यालयों के बीच आयोजन किया जाएगा। निर्णायक मंडल के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ सुजीत चौरसिया, डॉ अवधेश मौर्य एवं सल्तनत बहादुर महाविद्यालय बदलापुर के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मुमताज अहमद अंसारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत नोडल अधिकारी डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो. विक्रम देव शर्मा, रज्जू भइया संस्थान के निदेशक प्रो प्रमोद कुमार यादव, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ नीरज अवस्थी, स्वयंसेवक आनंद सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

श्री खाटू श्याम जन्मोत्सव में मची भगदड़–लोग हुये घायल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी में श्री खाटू श्याम के भक्तों की संख्या दिनों–दिन बढ़ती जा रही है। गोमती तट पर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर राजधानी का प्रसिद्ध मंदिर है। मंगलवार को श्याम बाबा का जन्मोत्सव का कार्यक्रम बड़ी ही धूमधाम से मनाया जा रहा था। इस अवसर परा बड़ी भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उपस्थित थी। रात्रि में बाबा के केक काटने के दौरान हजारों की भीड़ बेकाबू हो गयी। धक्का–मुक्की में कई लोग गिर भी गये। इससे वहां भगदड़ मच गयी। अनियंत्रित भीड़ ने कुर्सियां, सोफे, लाउडस्पीकर सिस्टम सब इधर–उधर फेंक दिये। मंदिर प्रशासन को अफरा–तफरी के बीच चल रहे कार्यक्रम को बंद करना पड़ा साथ ही मंदिर को भी बंद कर दिया गया। दर्शनाथियों को बिना दर्शन के वापस जाना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पंदिर प्रागंण में शाम से ही काफी भीड़ थी और बाहर सड़क पर दोनों तरफ एक–एक किलोमीटर की लाइनें लगी थी मंदिर प्रशासन, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन द्वारा भीड़ को नियंत्रित करने की और सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। साथ ही सड़क पर हनुमान सेतु की तरफ मार्ग प्रकाश की भी व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में कुछ अराजक तत्वों द्वारा बेवजह भगदड मचाने की संभावना ने इंकार नहीं किया जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार एक बच्चे का गला कुर्सी में फंसने और धक्का–मुक्की के कारण भगदड़ मची। जिसमें कई लोग घायल हुये एक व्यक्ति का हाथ भी टूट गया। बढ़ती भीड़ को देखते हुये मंदिर प्रशासन को भविष्य में होने वाले आयोजनों के लिये सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने होगे वरना ऐसी दुर्धटनायें होती रहेगी।

डीएम की अध्यक्षता में नमामि गंगा समिति /जिला पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में जिला गंगा समितिध्जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जलवायु परिवर्तन के शमन एवं अनुकूलन सम्बन्धी अयोया नगर की जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना, नगरीय उत्प्रवाह शोधन व निर्माण धीन 33 एम0एल0डी0 एस.टी.पी. संचालन, गठित कमेटी द्वारा प्रत्येक माह औद्योगिक ईकाइयों व होटल इत्यादि में सिंचाई खण्डध्यूपीपीसीबीध नगर निगमध्एनजीओ के प्रत्येक माह की निरीक्षण, बायोमेडिकल वेस्ट के प्रभावी निस्तारण हेतु बार कोड लगाने तथा औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने हेतु उत्प्रवाह की प्रत्येक माह जांच आदि बिन्दुओं पर विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान कहा की औद्योगिक इकाईयों से निकलने वाले गंदे पानी के लिए कमेटी बनाकर जांच करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक इकाईयों की सभी उप जिलाधिकारियों के देख–रेख में कमेटी बनाकर प्रदूषण की जांच करायें तथा साथ–साथ यह सुनिश्चित किया जायें कि पर्यावरण दूषित न हो। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान कहा कि गंगा समिति इस बात का विशेष ध्यान रखे कि नदियों में दूषित जल न बहाया जायें इसके लिए क्षेत्र में भ्रमण रहकर जांच करें। इसके साथ–साथ जिलाधिकारी ने जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुये कहा कि वर्तमान वर्ष में रोपित पौधों की सुरक्षा एवं सिचाई पर विशेष ध्यान दिया जायें, कोई भी पौधा पानी के बिना सूखना नहीं चाहिए। बैठक में उन्होंने वृक्षारोपण की जियो टैगिंग, वर्ष 2017 से 2024 तक वृक्षारोपण की सफलता, मेरी लाइफ पोर्टल पर सूचना अपलोड आदि बिन्दुओं पर समीक्षा की गयी। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह व प्रभागीय वनधिकारी प्रणव जैन और संबन्धित विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

शिक्षा जगत में स्मार्टफोन टैबलेट की भूमिका अद्वितीय है – अरविंद सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) डॉ राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर हरदोई में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन /टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अरविंद सिंह जी ने कहा कि शिक्षा जगत में स्मार्टफोन टैबलेट की भूमिका अद्वितीय है तकनीकी युग में इससे छात्र विभिन्न विषयों की जानकारी सरलता से प्राप्त कर सकते हैं आप सभी अपने स्मार्टफोन टैबलेट का उपयोग आगे की शिक्षा में कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि रविंद्र सिंह जी ने कहा कि आजकल तकनीकी शिक्षा के द्वारा विभिन्न रास्ते सरलता से प्राप्त हो जाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि अरविंद सिंह व अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने किया। टेबलेट वितरण का कार्यक्रम में परास्नातक (एम.ए.,एम. एस–सी.) कक्षाओं के छात्र–छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ.शशिकांत पांडे, श्री आनंद विशारद,मुकेश कुमार पारुल गुप्ता शिवम शुक्ला,मेघा गुप्ता, अवंतिका अस्थाना आदि महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

संयुक्त शिक्षा निदेशक' 'कार्यालय पर 18 नवंबर को होगा विशाल धरना'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर मंडल अध्यक्ष अयोध्या व जिलाध्यक्ष अम्बेडकर नगर अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में तदर्थ शिक्षकों को विनियमित किए जाने व अवशेष वेतन जारी किए जाने की मांग को लेकर 18 नवंबर को संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय अयोध्या पर एक दिवसीय विशाल धरना दिया जाएगा और 3 बजे संयुक्त षिक्षा निदेशक महोदय को समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। मंडल अध्यक्ष श्री अरूण कुमार सिंह ने बताया है कि धरने में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सदस्य विधान परिषद सदस्य मा चेत नारायण सिंह, संगठन के महामंत्री श्री अनिरुद्ध त्रिपाठी , प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मार्कण्डेय सिंह, श्री राकेश सिंह व प्रदेश के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने सभी सम्मानित शिक्षकों से अपील की है कि 18 नवम्बर को 11 बजे भारी संख्या में उपस्थित हो कर धरने को सफल बनाने में अपना योगदान प्रदान करे।

गणितीय विधि से कहीं समस्याओं का हल – प्रो. सर्वेश कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा से इंजीनियरिंग संकाय के गणित विभाग में दो दिवसीय व्याख्यान माला का समापन बुधवार को हुआ स विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर सर्वेश कुमार, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम केरल के द्वारा छात्र–छात्राओं को अवकलन समीकरणों के न्यूमेरिकल हल करने के बारे में जानकारी दी स उन्होंने गणितीय विधि से कई समस्याओं का हल बताया। साथ ही कहा कि डाटा एनालिसिस, मानव शरीर में रक्त प्रवाह, पर्यावरण प्रदूषण, बैंकिंग, जल प्रदूषण की समस्याओं के निवारण में उपयोग किया जा सकता हैस उन्होंने छात्र–छात्राओं को उद्बोधित करते हुए भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम उनके लिए भविष्य की संभावनाओं को भी विस्तार से बताया स उन्होंने रक्त की शिराओं में खून के प्रवाह को प्रभावित करने वाले पैरामीटर के प्रभाव पर चर्चा की स भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान में विभिन्न अंतरिक्ष उपग्रह के समय के साथ गमन मार्ग की मॉडलिंग अवकलन समीकरणों के माध्यम से करते हुए उनका उचित हल प्राप्त किया जा सकता है स इन समीकरणों के केवल वे हल उपयुक्त होंगे जो यदि उद्योगों के लिए उपयोगिता पूर्ण हो स उन्होंने सामान्य जीवन के कुछ उदाहरण लेकर समाकलन और अवकलन के बीच के संबंध को समझने का प्रयास किया।

इस व्याख्यान माला में प्रतिभागियों के रूप में इंजीनियरिंग संस्थान के बी टेक तथा प्रोफेसर रज्जू भैया संस्थान के एम एससी गणित एवं शोध छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया स अतिथि परिचय डॉक्टर दीपक कुमार मौर्य के द्वारा किया गया स कार्यक्रम संचालन प्रोफेसर राज कुमार के द्वारा, अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर मिथलेश जी द्वारा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुशील शुक्ला के द्वारा किया गया।

कोतवाली देहात थाने पहुँचे दर्जनों भाजपाई, लगाया युवक की हत्या का आरोप

सुल्तानपुर। बीते सोमवार की देर शाम कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में मिली डेड बॉडी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।। भाजपाइयों ने ही मंगलवार को दर्जनों की संख्या में थाने पहुंचे ।।सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने पूरे मामले में विशेष जांच की मांग करते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने युवक की हत्या का आरोप लगा कर मामले में नया मोड़ ला दिया है ।।भाजपा नेताओं ने कहा मृतक युवक के सीने, हाथ समेत पूरे शरीर के अलग–अलग हिस्सों में चोट के निशान है ।।जिससे प्रतीत होता है कि युवक की हत्या की गई है।मृतक के पिता केदारनाथ वर्मा निवासी ग्राम अलहादादघ्पुर सजाईया ने रोते हुए बताया कि उनका पुत्र सुबेदार वर्मा प्रतिदिन की तरह सुबह 9रू00 बजे दिनांक 11–11–2024 को टेन्ट हाउस पर गया था। प्रार्थी के घर पर लगभग रात्रि 8रू30 सूचना मिली कि उनके बेटे का शव पड़ा है। प्रार्थी ने बेटे की डेड बॉडी को देखा तो शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। प्रार्थी ने वहाँ मौजूद पुलिस कर्मी व टेंट संचालक से पूछा की यह कैसे हो गया तो पुलिस वालों ने बताया कि हमे अभियाखुर्द गाँव वालो ने फोन से सूचना दी की यहाँ पर एक लाश पड़ी हुई है तो हम लोग वहाँ गये और शव को लेकर आये है। उन्हें मृत्यु की कोई सही जानकारी नहीं हो पाई है।एफआईआर नही दर्ज होने की सूचना पर भाजपा मंडल महामंत्री अशोक वर्मा, मण्डल अध्यक्ष राम अभिलाख सिंह, मण्डल प्रभारी डॉ संतोष सिंह पूर्व महामंत्री भाजपा ,व दर्जनों संख्या में ग्रामीण आज कोतवाली देहात थाने पहुँचे और उन्होंने मुकदमा दर्ज करने की मांग की।इस दौरान थाना परिसर में गहमा गहमी रही।पता चला है कि वीडियो बना रहे कई ग्रामीणों के फोन छीनकर पुलिस ने क्लिप डिलीट कर दिया। हालांकि बॉडी का पोस्टमार्टम की प्रक्रिया भी चल रही जिससे परत दर परत घटना की सच्चाई बाहर आ सकती है।वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील वर्मा ने मांग किया कि पुलिस वादी का मुकदमा तत्काल दर्ज करे और पूरे मामले की गहन जाँच हो जिससे दोषी व्यक्ति पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो सके।

रोजगार की दिशा में बढ़ने वाली महिलाओं को 18 करोड़ 18 लाख के मिले डेमो चेक'

सुल्तानपुर। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को सीसीएल ऋण प्रदान करने हेतु मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन विकास भवन के सभा कक्ष में किया गया। परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह और उपयुक्त स्वतः रोजगार केडी गोस्वामी की मौजूदगी में स्वरोजगार की दिशा में अग्रसर महिलाओं को संबोधित किया गया।

लीड बैंक मैनेजर समीर पात्र और डीडीएम नाबार्ड अभिनव द्विवेदी द्वारा आसानी से ऋण लेने के उपाय बताए गए। 303 स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को 18 करोड़ 18 लाख का डेमो चेक प्रदान किया गया। जिला मिशन प्रबंधक रामराज के आवाहन पर स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता के बारे में लोगों से जानकारी साझा की। इस दौरान मिशन स्टाफ के रूप में जिला मिशन प्रबंधक मोहम्मद जासेफ,रामानंद,नीरज कुमार श्रीवास्तव,आशीष वर्मा,शशिकांत आदि लोग मौजूद रहे।

विकासखंड स्तरीय खेल महाकुंभ नारसन प्रतियोगिता प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। राजा महेंद्र प्रताप प्रेम इंटर कॉलेज के मैदान पर विकासखंड स्तरीय खेल महाकुंभ नारसन, प्रतियोगिता प्रारंभ हुई यह प्रतियोगिता 13 नवंबर से 15 नवंबर 2024 नवंबर तक युवा कल्याण तथा प्रांतीय रक्षक दल विभाग नारसन विभाग द्वारासंचालित हुई। प्रतियोगिता के प्रथम दिन अंडर 14 आयु वर्ग के बालक बालिकाओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपना प्रदर्शन कर खेल प्रेमियों को आनंदित किया। अंडर 14 आयु वर्ग में 60 मी, 600 मी, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेक, कबड्डी, खो खो तथा वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन का उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख नारसन कविंद्र चौधरी ने किया इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नारसन संदीप खखरियाल , अनिल गोली रुड़की, पीआरडी कमांडर नारसनकृष्णपाल तथा ब्लॉक खेल समन्वयक नारसन पवन राना ने बैच लगाकर सम्मानित किया इस अवसर पर स्पोर्ट्स अकैडमी नारसन की प्रधानाचार्य मंजू एवं राजा महेंद्र प्रताप प्रेम इंटर कॉलेज के प्रभारी प्रधानाचार्य सुषमा ने मंच पर उपस्थित होकर समारोह का मान बढ़ाया।

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख रविंदर चौधरी ने 60 मीटर दौड़ बालक, बालिकाएं की प्रारंभ कराकर प्रथम दिन के खेल की शुरुआत की। 60 मीटर बालिका वर्ग में तनु ने प्रथम स्थान, वर्णिका परमार ने द्वितीय स्थान तथा आदि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, 600 मी में तनु ने प्रथम स्थान, दूसरा स्थान शेफाली पवार ने तथा तीसरा स्थान अलीशाने प्राप्त किया। गोला फेक में अक्सा ने प्रथम स्थान, अंशी ने द्वितीय स्थान तथा मनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में आदी प्रथमस्थान , दूसरा स्थान मानसी ने तथा तीसरा स्थान वनिक परमार ने प्राप्त किया, बालिका वर्ग में प्रथम स्थान वंशिका, द्वितीय स्थान शिवानी तथा तृतीय स्थान साक्षी ने प्राप्त किया।बालिका कबड्डी में लाठर देवा हूण ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान नारसन ने प्राप्त किया। बालक वर्ग में 60 मीटर दौड़ में लवी फोर ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान दूसरा स्थान राजा तथा तीसरा स्थान आशु ने प्राप्त किया, 600 मीटर में लवी फोर ने प्रथम स्थान, लकी ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया ।इस अवसर पर कपिल त्यागी, जसवीर, रजत कुमार, पुलकित लोहान, व्यायाम प्रशिक्षक व्यायाम शिक्षक, संजीव कुमार, केशव प्रसाद, ठाट सिंह, केशव कुमार, राजीव कुमार, राजकुमार, मनीष कुमार, अरविंद चौधरी, सचिन पवार संदीप भारद्वाज, प्रशांत राठी, सोनिया सैनी, कुशलजीत सिंह, अनुज कुमार, विपुल आदि ने उपस्थित होकर प्रतियोगिता में सहयोग दिया।

विद्युत विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियों के लिये नही मायने रखता सीएम व एमडी का आदेश

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। विद्युत विभाग अधिकारियो व कर्मचारियों के लिए सीएम का आदेश कोई मायने नही रखता।मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लखनऊ की ओर से जारी मिल्कीपुर विद्युत वितरण खंड तृतीय क्षेत्र स्थित विद्युत उपकेंद्रों एवंविद्युत विभाग के अधिकारियों सहित अधिशासी अभियंता एवं मुख्य अभियंता द्वारा विभाग की ओर से प्रदत्त सीयूजी मोबाइल फोन पर उपभोक्ताओं द्वारा किए गए कॉल को रिसीव न किए जाने को लेकर विद्युत उपभोक्ताओं ने पावर कारपोरेशन के एमडी से शिकायत किया। इसके बावजूद इस विभाग के अधिकारियों एवं विद्युत कर्मियों के ऊपर कोई कार्यवाई नहीं की गई।

विद्युत उपकेंद्र कुमारगंजक्षेत्र स्थितराजस्व गांव मसेड़ा के विद्युत उपभोक्ता नरसिंह ने मध्यांचल विद्युत वितरण निगमके प्रबंध निदेशक को प्रेषित शिकायत में आरोप लगाया है कि मिल्कीपुर क्षेत्र के सभी उपभोक्ता बहुत परेशान हैं।अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड तृतीय मिल्कीपुर अयोध्या,इंजीव विनोद कुमार को विभाग की ओर से सीयूजी मोबाइल नंबर 9415099176 उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु आवंटित किया गया है। जिस पर विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा फोन कॉल किए जाने पर उनके द्वारा फोन कॉल रिसीव नहीं की जाती। अपनी समस्या का समाधान निचले स्तर के अधिकारियों से न होने के उपरांत उपभोक्तागण उनके मोबाइल फोन पर सीधे सम्पर्क कर संवाद करना चाहते हैं। किंतु उनके द्वारा फोन कॉल रिसीव न करते हुए पीड़ित लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह परंपरा बिल्कुल गलत है। लोग अपनी समस्या बताने के लिए फोन पर संपर्क साधते हैं। कोई भी व्यक्ति अनावश्यक बात करने के लिए उन्हें फोन कॉल नहीं करता और न ही उनके द्वारा बनाए गए कंज्यूमर ग्रुप पर शिकायत दर्ज करने पर ही कोई प्रभावी कार्यवाही होती है। इससे साफ जाहिर है कि केवल उपभोक्ताओं को भ्रमित करने के लिए मोबाइल व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। और तो और यही हाल विद्युत उपकेंद्रों पर रखे गए सीयूजी मोबाइल फोन का भी है। जिस पर भी कॉल किए जाने के बाद विद्युत उपकेंद्र पर मौजूद कर्मियों द्वारा भी फोन कॉल रिसीव नहीं किया जाता। बड़ी–बड़ी घटनाएं घटित हो जाने के बाद भी उपकेंद्र को सूचना नहीं हो पाती। शिकायतकर्ता श्री सिंह ने अधिशासी अभियंता सहित मुख्य अभियंता द्वारा फोन कॉल रिसीव न किए जाने का आरोप लगाया है।हालांकि शिकायत का एमडी मध्यांचल ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है।शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी लगातार प्रत्येक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सीयूजी मोबाइल फोन पर आने वाली कॉल रिसीव कर त्वरित कार्रवाई किए जाने का निर्देश पर निर्देश दे रहे हैं। लेकिन उनका यह निर्देश भी विद्युत विभाग के अधिकारियों की नजर में बौना साबित हो रहा है।

उच्च न्यायालय के आदेश से क्षेतीय लोगों में हर्ष

सुजानगंज। राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कॉलेज सुजानगंज के प्रबंध समिति के संदर्भ में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश से क्षेत्रीय जनों में हर्ष व्याप्त है। इसी संदर्भ को लेकर विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 जयप्रकाश तिवारी के दहेंव स्थित पैतृक आवास पर संतोष कुमार तिवारी की अध्यक्षता में एक मीटिंग हुई जिसमें लोगों ने उच्च न्यायालय के आदेश की प्रशंसा की गई। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कॉलेज सुजानगंज के प्रबंध समिति को उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव द्वारा प्राधिकृत नियंत्रक नियुक्ति दिनांक 28/8/2024 को की गई थी । उक्त आदेश के विरोध में प्रबंधक डॉ0 जयप्रकाश तिवारी ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल किया था जिसमें उच्च न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश द्वारा प्रमुख सचिव के आदेश को निरस्त करते हुए प्रबंध समिति को यथावत कार्य करने का आदेश पारित किया । उक्त के संदर्भ में प्रबंधक डॉ जयप्रकाश तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय इंटर कॉलेज सुजानगंज विद्यालय का विकास एवं विद्यालय में पठन–पाठन व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखना ही हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर गौरीशंकर सिंह सेवानिवृत्त मुख्य आयकर आयुक्त, लाल बिहारी तिवारी, अंबिका प्रसाद तिवारी, प्रभाकर तिवारी, प्रेम शंकर ,यादवेंद्र दुबे, रमेश चंद दुबे आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

अभिनेता खेसारी लाल यादव की शूटिंग देखने भीड़ हुई बेकाबू

सुलतानपुर। नगर के पर्यावरण पार्क में अभिनेता खेसारी लाल यादव की शूटिंग देखने के लिए उनके फैन बेकाबू हो गए हैं पार्क का गेट बंद होने के बावजूद दर्जनों युवक बाउंड्री पार करके पर्यावरण पार्क के अंदर घुस गए शूटिंग में बाधा आने पर मौके पर पुलिस टीम बुलाई गई है बताते चलें कि नगर के गोमती नदी तीरे स्थित पर्यावरण पार्क नगर पालिका द्वारा शूटिंग के लिए अनुमति गयी है जिसमें आज सुबह से देर रात तक पर्यावरण पार्क में शहरवासियों के लिए प्रवेश निरुद्ध था लेकिन इसके बावजूद शूटिंग देखने के लिए भारी संख्या में भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव के फैन पर्यावरण पार्क में पहुंच गए हैं।

मिशन शक्ति फेस–5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरुक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। महिला पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत महिलाओ को जिले के सभी थानों की महिला पुलिस टीम द्वारा महिलाओंध्बालिकाओं को पुलिस की पाठशाला लगाकर नारी सुरक्षा, नारी स्वाबलंबन एवं नारी सम्मान हेतु विशेष अभियान चलाकर प्रतिदिन जागरूक किया गया। इस मौके पर महिला पुलिस द्वारा महिलाओ व बालिकाओं को उनके साथ कोई भी घटना होने पर हेल्पलाइन नंबर पर पुलिस को तत्काल सूचना देकर सहायता पाते हुए आरोपियों पर कार्यवाही कराने के लिए जागरूक किया गया।अयोध्या महिला पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत महिलाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद के समस्त थानों की महिला पुलिस टीम द्वारा महिलाओंध्बालिकाओं को पुलिस की पाठशाला लगाकर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर विभिन्न हेल्पलाइन नंबर, महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियों स्क्वायड, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे "मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत आत्मरक्षा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉलध्पैनिक बटन–मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साइबर सुरक्षा हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकार से जुड़े कानून के साथ ही हेल्पलाइन के नंबरों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।बालिका, छात्रा एवं महिलाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम हेतु नगर के साथ ही गांवों से लेकर गली, मोहल्ले, शिक्षण संस्थानों में चौपाल लगाकर बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु चलाये जा रहे मिशन नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत सुरक्षा जागरूकता के संबंध में जानकारियां दी गई।

सीएसआईआर–एनबीआरआई, लखनऊ के विशेषज्ञों ने की पुष्पकृषि उद्यमियों की वार्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–पुष्पकृषि मिशन के तहत, सीएसआईआर–राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में एक द्वि–दिवसीय उद्यमी बैठक (13–14 नवम्बर 2024) आज शुरू की गयी। यह कार्यक्रम पुष्पकृषि और सुगंध उद्योग क्षेत्रों के उद्यमियों एक साथ लाने और उनके परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने, उद्योग की व्यावहारिकता एवं अनुभवों को साझा करने और नवीन विकसित तकनीकियों के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया। सभी उद्यमियों का स्वागत करते हुए, सीएसआईआर– एनबीआरआई के निदेशक डॉ. ए.के. शासनी ने संस्थान द्वारा विकसित नमोः 108 पेटल लोटस पर आधारित विभिन्न हर्बल

उत्पादों और कृषि प्रौद्योगिकियों के बारे में समग्र रूप से जानकारी दी। संस्थान के व्यवसाय विकास विभाग के प्रमुख, एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मनीष भोयर ने बताया कि नमोः 108 पेटल लोटस (कमल) पर आधारित कुल तीन प्रौद्योगिकियों जिनमे मुख्य रूप से नमोः 108 पेटल लोटस (कमल) की कृषि तकनीक एवं नमोः 108 पेटल लोटस (कमल) पर आधारित परिधान, को तीन उद्यमियों को हस्तांतरित किया गया। नमोः 108 पेटल लोटस के लिए कृषि–तकनीक दो उद्योगों मेसर्स प्रिसेशन एग्री टेक, पुणे, महाराष्ट्र और मेसर्स लोटस एग्रो वेल्थ, इरोड, तमिलनाडु को हस्तांतरित की गई जबकि लोटस पर आधारित परिधान की तकनीक मेसर्स 108 लोटस इंटरनेशनल क्लोथिंग कंपनी, इरोड, तमिलनाडु को हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर लोटस आधारित तकनीकों के द्वारा पुष्प कृषि–उद्यमियों के लिए लघु उद्योग स्थापित करने के विभिन्न मुद्दों जैसे सीमाओं, लाभों, किफायती और व्यापार मॉडल पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस.के. तिवारी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विवेक श्रीवास्तव और अन्य उपस्थित थे। अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष भोयर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इंजीनियर को एक घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट, 98 हजार वसूले

लखनऊ, संवाददाता। मुंबई साइबर क्राइम का अधिकारी बनकर ठग ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर अविनाश श्रीवास्तव को डिजिटल अरेस्ट कर 98 हजार रुपये वसूल लिए। जालसाज ने पार्सल में ड्रग्स होने की बात कहकर डराया था। पीड़ित ने तालकटोरा थाने में सोमवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजाजीपुरम एफ ब्लॉक निवासी अविनाश श्रीवास्तव के मुताबिक 15 अगस्त को अंजान नंबर से कॉल आई थी। फोनकर्ता ने खुद को फेडक्स कूरियर कंपनी का कर्मी बताया। कहा कि तुम्हारे आधार कार्ड का इस्तेमाल कर पार्सल ताइवान भेजा जा रहा था, जिसे एयरपोर्ट पर कस्टम ने पकड़ा है। पार्सल में ड्रग्स है। उनके इन्कार करने पर उसने कहा कि आपकी कॉल मुंबई साइबर क्राइम में ट्रांसफर की जा रही है। फिर उसने फोन काट दिया। ठग ने बताया कि वह पुलिस अधिकारी है और पार्सल से संबंधी पूछताछ करनी है। यह सुनकर अविनाश घबरा गए। आरोपी ने पूछताछ के बहाने उन्हें एक घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा और बचाने का झांसा देकर 98 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

ये भी हो चुके डिजिटल अरेस्ट

– पीजीआई की डॉ. रुचिका टंडन से हुई थी 2.81 करोड़ की ठगी।

– हजरतगंज के अशोक मार्ग पर रहने वाले डॉ. पंकज रस्तोगी की पत्नी दीपा से वसूले थे 2.71करोड़।

– अलीगंज सेक्टर एच निवासी डॉ. अशोक सोलंकी को 36 घंटे डिजिटल अरेस्ट कर ठगे गए थे 48 हजार।

ऐसे बचें ठगों से

अगर आपके पास अंजान नंबर से कॉल आए तो सावधान हो जाएं। कॉल करने वाला शख्स यह कहता है कि आपके नाम से पार्सल बुक है। कस्टम विभाग ने पकड़ा है। केस दर्ज कर कर कार्रवाई की जा रही है। तो तुरंत डांट लगाते हुए कॉल काट दें। ये कॉल साइबर ठग की होती है।

यहां करें शिकायत

यदि आप ठगी का शिकार होते हैं तो साइबर क्राइम थाने, साइबर सेल, लोकल पुलिस स्टेशन, टोल फ्री नंबर 1930 या www.cybercrime.gov.in वेबसाइट के जरिये शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

इंडिगो एयरलाइंस के आठ विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ, संवाददाता। इंडिगो एयरलाइंस के आठ विमानों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक्स अकाउंट हैडलरों के खिलाफ सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। यह कार्रवाई एयलाइंस के इंडिगो के असिस्टेंट मैनेजर जतिन भाटिया की शिकायत पर हुई है। आशियाना स्थित एलडीए कॉलोनी निवासी जतिन के मुताबिक कुछ दिन पहले इंडिगो एयरलाइंस को एक्स पर छह अलग–अलग अकाउंट से हैंडलरों ने आठ विमानों को बस से उड़ाने की धमकी दी थी। आरोप है कि धमकियों के चलते विमानों के परिचालन में, यात्रियों और विभिन्न एयरपोर्ट इकाइयों को समस्या हो रही है। विमान कई घंटे की देरी से उड़ान भर रहे हैं।

पति को लिवर दान करके दिया नया जीवन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के शहीद पथ स्थित कॉर्पोरेट अस्पताल में पति को लिवर दान करने वाली महिला की आंत में कट लग गया। इससे हुए संक्रमण के चलते उसकी मौत हो गई। घरवालों ने आरोप लगाया कि कट लगने की बात अस्पताल प्रशासन छिपाए रहा। एक के बाद एक चार सर्जरी कर डाली। आखिर में महिला की मौत हो गई। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री के पास की गई है। आरोप है कि पति को लिवर दान करने वाली 30 वर्षीय महिला की आंत में कट लग गया था। इसके बाद पेट में संक्रमण हो गया। चार सर्जरी के बाद भी संक्रमण ठीक नहीं हुआ। 35 दिन तक आईसीयू और 14 दिन वेंटिलेटर पर रखने के बावजूद महिला की जान नहीं बची।

23 लाख एस्टीमेट, खर्च हो गए 39 लाख

पीड़ित परिवार ने बताया कि पहले दोनों के ऑपरेशन का 23 लाख रुपये का एस्टीमेट बताया गया था, लेकिन बाद में कुल 39 लाख रुपये लिए गए। उधर, अस्पताल प्रशासन ने लापरवाही से इन्कार किया है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि हर सर्जरी में कुछ जोखिम होते हैं। इस मामले में कुछ जटिलताएं पैदा हो गईं। पूरी कोशिश के बावजूद महिला की जान नहीं बचाई जा सकी।

दो मकानों व एक मंदिर में चोरी

लखनऊ, संवाददाता। चिनहट के शाहपुर में प्रशांत द्विवेदी के बंद मकान से चोरों ने 3.50 लाख के जेवर व 50 हजार रुपये चोरी कर लिए। प्रशांत निजी चालक हैं। उनके मुताबिक शनिवार को वह बाराबंकी गए थे। सोमवर रात लौटे तो घटना का पता चला। शक के आधार पर पुलिस ने कुछ संदिग्धों को चिह्नित किया है। वहीं, बीबीडी इलाके के तिवारीगंज स्थित साईं अपार्टमेंट में शिवानी कश्यप के फ्लैट से शनिवार दोपहर चोरों ने जेवर और दस हजार रुपये चुरा लिए। घटना के वक्त वह अस्पताल में भर्ती भतीजे को देखने गई थीं। इसके अलावा माल में रविवार देर रात बदैया गांव स्थित तपेश्वरी मंदिर में मां को समर्पित दस घंटे चोरों ने चुरा लिए।

सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराई डीसीएम, चालक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। बिजनौर इलाके में मंगलवार तड़के तेज रफ्तार डीसीएम सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से जा टकराई। केबिन को काटकर डीसीएम चालक व उसके सहयोगी को निकाला गया। पर तब तक चालक की मौत हो चुकी थी। एटा के किशनपुर नादौली कला निवासी डीसीएम चालक हरविलास (35) सहयोगी चालक गीतम (25) के साथ हाथरस से नमकीन लादकर प्रतापगढ़ जा रहे थे। तड़के पांच बजे बिजनौर में किसान पथ पर अनूप खेड़ा के पास सड़क किनारे टाइल्स लादे खड़े ट्रेलर में तेज रफ्तार डीसीएम पीछे से जा घुसी। डीसीएम का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों फंस गए। पुलिस और एनएचएआई के कर्मचारियों ने जेसीबी की मदद से केबिन काटकर दोनों को बाहर निकाला, पर तब तक हरविलास की सांसें थम चुकी थीं। गीतम को गंभीर हालत में सीएचसी सरोजनीनगर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और उनके परिजनों को हादसे की सूचना दी।

युवा स्वरोजगार योजना में मिली लापरवाही, 386 मामले लंबित

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना मंडल स्तर पर लापरवाही की जा रही है। योजना संबंधी 386 मामले लंबित हैं। सोमवार को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने जब लाभार्थी परक योजनाओं को लेकर बैंकों की ओर से आ रही समस्याओं पर समीक्षा बैठक तो कलई खुल गई। उन्होंने मामलों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, ओडीओपी, मुख्यमंत्री ग्राम रोजगार योजना, पशुपालन व मत्स्यपालन योजनाओं की समीक्षा की। खासकर इस बात की चर्चा की गई कि योजनाओं को लेकर जो ऋण व्यवस्था है उसमें दिक्कत तो नहीं आ रही है। बैंक अफसरों से मंडलायुक्त ने कहा, वह योजनाओं को लेकर मिशन मोड में काम करें। इससे जरूरतमंदों को लाभ मिल सके। बैंकों की जो शाखाएं लापरवाही बरतेंगी उनकी रिपोर्ट बैंक के अफसरों को भेजी जाएगी।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत सीसीएल की प्रगति असंतोषजनक है। लिहाजा उपायुक्त एनआरएलएम को निर्देश दिए गए कि वह ब्लॉकवार व बैंक की शाखावार रोस्टर तैयार कर सुधार करें।

पुनर्वास विवि में छात्रों ने घेरा कुलपति कार्यालय

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में बिना चुनौती मूल्यांकन कराए ही बैकपेपर परीक्षा की घोषणा करने से नाराज छात्रों ने सोमवार को कुलपति कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। छात्रों के विरोध के बाद परीक्षा विभाग बैकफुट पर आया और 13 नवंबर तक चुनौती मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने का आश्वासन दिया। साथ ही बैकपेपर परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि को 18 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। समाजवादी छात्रसभा की ओर से किए गए प्रदर्शन में इकाई अध्यक्ष आलोक प्रताप ने बताया कि छात्रों की मांग पर कुलसचिव ने फोन पर कुलपति प्रो. संजय सिंह से वार्ता कराई। इसमें छात्रों ने कुलपति से बैकपेपर की परीक्षा स्थगित करने और नया परीक्षा कार्यक्रम जारी करने, मिड सेमेस्टर की जगह असाइनमेंट और प्रजेंटेशन के माध्यम से आंतरिक परीक्षा कराए जाने की मांग की। साथ ही गैर विज्ञान विभागों में पीएचडी की बढ़ी हुई दोगुनी फीस को वापस लेने के साथ ही छात्रावास आवंटन प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने की मांग की।

स्थापित होगी भगवान परशुराम की 51 फीट उंची प्रतिमा, जीवन संस्करण पर प्रदर्शित की जाएगी गैलरी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसमें देश विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई जा रही है। इस मौके पर यहां संत अपना अपना शिविर लगाएंगे। इसी कड़ी में राष्ट्रीय परशुराम परिषद ने भी शिविर लगाने की बात कही। परिषद के संस्थापक पंडित सुनील भराला ने बताया कि महाकुंभ में करीब एक लाख स्क्वायर फीट में पंडाल बनाया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम और कथा का सिलसिला करीब 45 दिनों तक जारी रहेगा। इसका सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों से सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परिषद की एक लाख आठ हजार भगवान परशुराम की प्रतिमाएं भी लोगों में वितरित की जाएंगी। जो देशभर के विभिन्न मंदिरों और घरों में स्थापित की जाएंगी। उद्देश्य है कि हिंदू सनातन धर्म के घरों में अन्य देवी देवताओं के साथ भगवान परशुराम की भी प्रतिमाएं स्थापित हों। इस मौके पर उन्होंने परिषद की वेबसाइट www.rashtriya parshuram parishad .com का विमोचन भी किया। बताया कि परिषद के राष्ट्रीय पीठ द्वारा भगवान परशुराम जी के जन्म स्थान जनापाव इंदौर से जुड़े 56 स्थानों की खोज की गई है। महाकुंभ परिसर में इसकी गैलरी बनाकर प्रदर्शित की जाएगी। ताकि हिंदू सनातन धर्म के लोग भगवान परशुराम के बारे में विस्तार से जान सकें। बताया कि भगवान परशुराम जी से संबंधित 21 युद्ध भूमि स्थानों पर गैलरी बनाई जाएगी। यह वह स्थान हैं, जहां भगवान परशुराम जी ने आतताइयों का वध करके साधु संतों एवं गरीब पीड़ितों को न्याय दिलाया था।

इस मौके पर सुधाकर त्रिपाठी पूर्व राज्यमंत्री, बसपा के वरिष्ठ नेता व राष्ट्रीय परशुराम परिषद के वरिष्ठ सदस्य प्रथमेश कुमार मिश्र, राष्ट्रीय परशुराम परिषद के राष्ट्रीय सह संयोजक विनय शर्मा, अजय भाद्वाज राष्ट्रीय अध्यक्ष परशुराम स्वाभिमान सेना, अनुज शर्मा राष्ट्रीय संयोजक आईटी, चन्द्रदेव शर्मा धर्म प्रकोष्ठ, संजय मिश्र प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश एवं राष्ट्रीय परशुराम परिषद, रूचि शुक्ला प्रदेश अध्यक्ष परशुराम शक्ति वाहिनी, राघवेन्द्र मिश्र प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश सहित अन्य लोग रहे।

मड़ियाहूं ब्लाक मुख्यालय पर ग्राम प्रधान/स्थानीय प्राधिकारी के सदस्यों का आयोजित हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम

जौनपुर ब्यूरो चीफ

जौनपुर। दिनांक 12/11/2024 को ब्लाक सभागार मे ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एवं एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोज खण्ड विकास

अधिकारी सुश्री इशिता किशोर जॉइन्ट मजिस्ट्रेट एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं श्री उदयभान कुशवाहा के निर्देशन में आयोजित हुआ जिसकी मुख्य अतिथि आदरणीय ब्लाक प्रमुख महोदया श्रीमती रेखा यादव जी रहीं।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापकों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सरकार द्वारा विद्यालय के बच्चो के लिए चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन सम्यक रूप से करते हुए योजनाओं को सफल बनाया जा सके। कार्यक्रम में विज्ञान विषय मे आयोजित क्विज प्रतियोगिता में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों को अंकपत्र एवं घड़ी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कंपोजिट विद्यालय सुदनीपुर की दिव्यांग छात्र द्वय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बच्चियों ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिन्हें खंड शिक्षा अधिकारी एवं ब्लाक प्रमुख महोदया द्वारा पुरस्कृत किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा इस अवसर पर बताया गया कि शत प्रतिशत ब्लाक में DBT कार्य पूर्ण हो गया है–90 प्रतिशत विद्यालय निपुण हो गए है तथा 19 पैरामीटर पर भी हमारे अधिकांश विद्यालय संतृप्त हो गए है। प्राथमिक विद्यालय के बच्चे अंग्रेजी में करसिव राइटिंग कर रहे है। जो आवश्यकताए है उन्हें हम समन्वय के साथ पूर्ण करते हुए जल्द ही ब्लाक को निपुण बनाएंगे।

फिर से निराश हुए अभ्यर्थी, नहीं हो सकी सुनवाई, पहले भी दो बार टल चुकी हैं तारीखें

लखनऊ, संवाददाता। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच में आज इस मामले पर सुनवाई होनी थी। किंतु समयाभाव के कारण केस की सुनवाई नहीं हो सकी। वहीं अगली तिथि 19 नवंबर प्रस्तावित की गई है। 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण में गड़बड़ी के आरोप आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लगा रहे हैं और इस मामले की लड़ाई वह चार साल से लड़ रहे हैं। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में निर्णय देते हुए पुरानी सभी सूची निरस्त करते हुए नई सूची जारी करने के निर्देश दिए थे। इसे लेकर चयनित वर्ग के अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट चले गए। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में लखनऊ हाईकोर्ट के डबल बेंच के आदेश पर नौ सितंबर को सुनवाई के बाद रोक लगा दी थी। साथ ही 23 सितंबर को सुनवाई के लिए अगली तिथि तय की थी। किंतु 23 सितंबर को सुनवाई नहीं हो सकी थी। इस मामले में अगली तारीख 15 अक्तूबर तय की गई थी। 15 अक्तूबर को भी सुनवाई नहीं हो पाई थी। इसके बाद अगली तिथि 12 नवंबर मंगलवार लगी थी।

अगली तारीख 19 नवंबर हुई तय

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि आज सुनवाई का नंबर नहीं आया। इससे सभी पक्षकारों को निराशा हाथ लगी है। उन्होंने कहा कि जब इस परीक्षा का परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया। उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया के बाद बीते 13 अगस्त को लखनऊ हाईकोर्ट डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया। किंतु सरकार की हीला हवाली से मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। वहीं चयनित अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे विनय पांडेय ने बताया कि आज सुनवाई नहीं हो सकी है। अगली सुनवाई 19 नवंबर को प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्द ही इस मामले में जल्द निर्णय होगा।

वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण ने जारी किया वसीयतनामा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी ने मंगलवार को वसीयतनामा जारी किया। इस पर उन्होंने अपनी मृत्यु के बाद हिन्दू रीति रिवाज से अंतिम संस्कार से करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने अब खुद को ठाकुर जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर घोषित कर अपने शव को अग्नि देने और अस्थियां प्रवाहित करने के लिए नाम भी तय कर दिये है। ठाकुर जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर (पूर्व जितेंद नारायण त्यागी व वसीम रिजवी) ने वसीयतनामा में बताया कि मैं इस्लाम धर्म में पैदा हुआ और मेरा नाम सैयद वसीम रिजवी था। मैंने इस्लामी सिद्धांतों को नकरते हुए वर्ष 2021 में सनातन धर्म स्वीकार कर लिया है।

कट्टरपंथी मानसिकता नहीं रखते

उन्होंने बताया कि वर्तमान में मुझे सेंगर राजपूत परिवार में पुत्र मानते हुए गोद लिया है। जिस कारण अब मेरा नाम ठाकुर जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर है। उन्होंने बताया कि मेरे इस्लामी परिवार में सभी लोग इस्लामी परंपरा के हिसाब से अपने मजहब को मानते हैं। लेकिन, अच्छी बात यह है कि वह कट्टरपंथी मानसिकता नहीं रखते।

जाहिर की यह आशंका

उन्होंने ये भी बताया कि मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को मेरे सनातनी होने पर कोई आपत्ति नहीं है। मुझे अपने परिवार के सभी लोगों को इस्लाम मानने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर यह आशंका है की जब मेरी हत्या होगी या किसी अन्य कारण से मृत्यु होगी, तब हो सकता है मेरे परिवार के लोग मेरे शव को परिवार का अधिकार बताते हुए मुस्लिम रीति रिवाज से मेरा अंतिम क्रिया कर्म करके किसी कब्रिस्तान में दफन लाने की कोशिश करें। कहा कि अब मैं सनातनी हो चुका हूं मेरे अनुसार मेरी अंतिम क्रिया हिंदू रीति रिवाज से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि मैंने एक अपना इच्छा पत्र लिखा है जिसे वसीयतनामा भी कहते है। उन्होंने कहा कि इच्छा पत्र (वसीयतनामे) में स्पष्ट लिख दिया है कि मेरी चिता बनाई जाए और हिंदू रीति रिवाज के अनुसार उसमें अग्नि देकर मेरा अंतिम संस्कार किया जाए।

जगतगुरु महाराज रामभद्राचार्य करें अस्थियों का विसर्जन

उन्होंने बताया कि जगतगुरु महाराज रामभद्राचार्य ने मुझे तुलसी पीठ में दीक्षा दी है।

इसलिए, मैंने अपने इच्छा पत्र वसीयतनामे में यह इच्छा प्रकट की है कि अगर उनका स्वास्थ्य उनको अनुमति दे तो मेरी अस्थियों का विसर्जन उनके हाथों से ही कराया जाए।

अगर ऐसा ना हो पाए तो मेरे द्वारा अधिकृत किए गए लोग ही मेरी अस्थियों का विसर्जन करेंगे। कहा कि मेरी चिता को अग्नि देने के लिए मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रचारक मिहिरजध्वज जो कि वर्तमान में जगत कोठी, नाका हिंडोला लखनऊ में रहते हैं। उन्होंने मेरे हर कठिन समय में एक मित्र के नाते व्यक्तिगत रूप से मेरे साथ बने रहे। इसके अलावा उत्तराखंड निवासी हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रभात कुमार सेंगर ने मेरी जिंदगी में मेरा बहुत साथ दिया। मुझे अपने परिवार का एक सदस्य स्वीकार करते हुए मुझे अपनी माता यशवंत कुमारी सेंगर के माध्यम से परिवार में मान्यता दी।

चिता में अग्नि देने के लिए इनको किया अधिकृत

इसके अतिरिक्त प्रखर राष्ट्रभक्त हेमेंद्र प्रताप सिंह तोमर जो वर्तमान में दैनिक भास्कर लखनऊ में वरिष्ठ पत्रकार हैं और मेरे भाई के समान हैं। इन तीनों व सेंगर परिवार का कोई भी अन्य सदस्य जो मौके पर उपलब्ध हो, उनको ही अपनी चिता में अग्नि देने के लिए अधिकृत करता हूं। यही लोग मेरी चिता को अग्नि देने के लिए अधिकृत हैं। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु महाराज रामभद्राचार्य, तुलसी पीठ चित्रकूट ने मुझे भगवान श्रीराम की दीक्षा दी है, यदि उनका स्वास्थ्य उनको अनुमति दे, तो उनकी उपस्थिति में मेरी अस्थियों का विसर्जन उपरोक्त तीनों अधिकृत व्यक्तियों में से कोई भी अथवा सेंगर परिवार का कोई भी व्यक्ति पवित्र गंगा में कर दें।

कंपनी और पद की जानकारी नहीं, पंजीकरण तक नहीं कर पाए युवा

लखनऊ, संवाददाता। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में मंगलवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। यहां कुल सात निजी कंपनियां शामिल हुईं। इस दौरान देखने को मिला कि युवाओं के पास भले ही डिप्लोमा और डिग्री थी, लेकिन उनमें तकनीकी ज्ञान का अभाव होने के चलते संगम पोर्टल पर आवेदन करने में दिक्कतें हुईं। रोजगार मेले में ऐसे भी युवा शामिल हो रहे हैं,

जिन्हें कंपनी और पद के बारे में जानकारी ही नहीं है लेकिन नौकरी के लिए अधिकारियों से अर्जी लगा रहे हैं। सरोजनीनगर निवासी रोहन कुमार ने फ्लुएंटग्रिड प्राइवेट कंपनी में नौकरी के लिए सीवी जमा किया लेकिन नौकरी किस पद पर करनी है, इसके बारे में उन्हें पता ही नहीं था। आशियाना निवासी कमलेश स्नातक पास हैं, उनके हाथ में स्मार्टफोन भी था लेकिन संगम पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कर पा रहे थे। विभागीय कर्मचारियों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीकरण हो सका। प्लेसमेंट अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने बताया कि रोजगार मेले में सीवी जमा करने से पहले युवाओं को संगम पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करना जरूरी है। पोर्टल की वेबसाइट पर रोजगार से जुड़ी पंजीकरण से लेकर, कंपनी और पद का नाम समेत सभी जानकारियां हैं। बावजूद इसके तकनीकी ज्ञान की कमी के कारण कई युवा ऑनलाइन पंजीकरण भी नहीं कर पाए।

238 युवाओं को मिला नौकरी का प्रस्ताव

रोजगार मेले में विवींग, एसएलएमआई कंपनी, इंस्टा ह्यूमेंस फॉर सुजलॉन, ईडीयू वांटेज, पेटीएम और फ्लुएंटग्रिड प्राइवेट कंपनियां शामिल हुईं। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के सहायक निदेशक सूर्यकांत कुमार ने बताया कि मीटर रीडर, टेक्नीशियन, सुपरवाइजर, क्यूसी इंचार्ज व अन्य पदों पर कुल 238 युवाओं को नौकरी का प्रस्ताव मिला।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।